राजसमन्द 5 फरवरी 2010

हिंसा मुक्त विश्व के निर्माण के लिए अहिंसा प्रशिक्षण एक सार्थक पहल : अहिंसा प्रशिक्षण शिविर में वक्ताओं का निष्कर्ष

अणुविभा बाल शान्ति निलयम् में आज प्रातः तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए अणुविभा के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा शिविर के निदेशक डॉ. सोहनलाल गांधी ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ द्वार प्रेरित अहिंसा नेतृत्व प्रशिक्षण अभियान विश्व को हिंसा एवं घृणा से मुक्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा '' युनेस्को द्वारा सन् 1985 में इटली के सेवाइल नगर में आयोजित वैश्विक चिंतको वैज्ञानिको, मानव शास्त्रियों एवं समाज विज्ञानियों द्वारा जारी सेवाइल स्टेटमेंट का उल्लेख करते हुए कहा इस व्यक्तव्य ने अहिंसा प्रशिक्षण का मार्ग प्रशस्त किया। उस वक्तव्य में वैज्ञानिकों ने कहा कि जिस मस्तिष्क ने युद्ध एवं हिंसा का आविष्कार किया वही मस्तिष्क शांति का आविष्कार करने में भी सशक्त है।

उसके बाद विश्व के नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ को लिखे एक पत्र में भी शांति अभियान हेतु एक सघन दशक घोषित करने की अभिशंषा की। इसकी क्रियान्विति हेतु आचार्य महाप्रज्ञ ने अहिंसा प्रशिक्षण के लिए एक सेवा पाठ्यक्रम तैयार किया जिसमें सिद्धान्त एवं प्रयोग दोनों सम्मिलित है। इस पाठ्यक्रम के आधार पर दो सफल अन्तर्राष्ट्रीय शिविर आचार्य महाप्रज्ञ के नेतृत्व में 2007 में राजसमन्द में तथा 2008 में जयपुर में आयोजित किये चुके है।

उस श्रृंखला में यह तीसरा शिविर है जिसमें मलेशिया, जर्मनी, यु.एस.ए., यू.के. तथा भारत के विभिन्न प्रान्तों से विशेष रूप से चुने गये विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्र–छात्राऐं एवं प्रोफेसर आदि कुल 60 शिविरार्थी भाग ले रहे है। लंदन जेवीबी केन्द्र की संचालिका समणी प्रसन्नप्रज्ञा एवं रोहितप्रज्ञा का शिविरार्थियों को सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर आचार्य महाप्रज्ञ के मानव कल्याण परक मिशन पर प्रकाश डालते हुए समणी प्रसन्न प्रज्ञाजी ने कहा 'आचार्य महाप्रज्ञ यद्यपि एक जैनाचार्य है किन्तु उनका कार्य सम्पूर्ण मानवता के कल्याण के लिए है। अणुव्रत प्रेक्षाध्यान एवं जीवन विज्ञान उनकी विशेष देन है और इन्हीं का प्रयोगात्मक स्वरूप अहिंसा प्रशिक्षण है।

अहिंसा के विभिन्न आयामों पर एनसीइआरटी के सेवानिवृत शैक्षणिक अनुसंधान प्रभारी डॉ. जे.सी. चौधरी ने अहिंसा का अर्थ एवं अवधारणा, प्रेक्षाध्यान के अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ अरूण झवेरी ने प्रेक्षाध्यान द्वारा चेतना रूपान्तरण, अमरिकन गांधी बर्नी मेयर ने अहिंसा द्वारा विश्व शांति तथा आई एल एम अकेडमी जयपुर के एसोसियेट प्रो. एस श्यामा प्रसाद ने सापेक्ष अर्थ शास्त्र पर व्याख्यान दिये। समणीजी ने कायोत्सर्ग तथा अनुप्रेक्षा के प्रयोगों द्वारा दृष्टिकोण बदलने के उपक्रम बताये। मध्यान्ह में मानव विकास प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी श्री नरेन्द्र शर्मा 'निर्मल' ने बहुत ही रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक कार्यशाला आयोजित की। इन कार्यक्रमों के अतिरिक्त शिविर में सृजनात्मक मौन रखा गया एवं खुली परिचर्चा भी हुई जिसमें शिविरार्थियों ने रुचिपूर्वक भाग लिया।

इस शिविर का समापन समारोह 7 फरवरी को सायंकाल सम्पन्न होगा।

(विमल जैन)
प्रबंध निदेशक